बिहार सरकार
कला, संस्कृति एवं युवा विभाग
(सांस्कृतिक कार्य निदेशालय)

# वित्तीय वर्ष–2013–14 की उपलब्धियाँ

राज्य की कला एवं संस्कृति के विकास के लिए कला संस्कृति एवं युवा विभाग अन्तर्गत सांस्कृतिक कार्य निदेशालय द्वारा निम्नांकित कार्य 2013–14 में किए गए हैं।

1. राज्य के 38 जिलों को **स्थापना दिवस** एवं **गौरवशाली बिहार दिवस के आयोजन** हेतु **प्रत्येक जिले को 6–6 लाख** की राशि उपलब्ध करायी गयी।
2. **उग्रवाद प्रभावित आठ जिलों में** सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु राशि उपलब्ध करायी गयी, ताकि आपसी सौहार्द्र की भावना बढ़े।
3. राज्य के युवा और नवोदित कलाकारों के प्रोत्साहन के लिए **शुक्रगुलजार** और **शनिबहार** के कार्यक्रम आयोजित कराए जाते हैं, जो प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चतुर्थ शुक्रवार को शुक्रगुलजार एवं प्रथम एवं तृतीय शनिवार को शनिवहार कार्यक्रम आयोजित होते हैं।

   **साथ ही प्रत्येक माह में एक विशेष शुक्रगुलजार** कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।
4. **विश्वभारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन, प0 बंगाल के कलाकृतियों की प्रदर्शनी** (दिनांक–22 नवम्बर से 31 दिसम्बर 2013) का आयोजन विभाग द्वारा किया गया। इससे बिहार के कलाकारों का शांतिनिकेतन के कलाकारों से संवाद हुआ।
5. **विश्वामित्र महोत्सव** (17–19 दिसम्बर,2013) का आयोजन **बक्सर** जिले में किया गया। इसमें कथक केंद्र, नई दिल्ली की बैले प्रस्तुति के साथ लोक शैलियों में रामायण का मंचन भी किया गया।
6. **राज्य स्तरीय युवा उत्वव** का आयोजन **मधुबनी** में दिनांक 30 नवम्बर से 2 दिसम्बर, 2013 को किया गया, जिसमें विरासत मधुबनी नामक पुस्तक का प्रकाशन विभाग द्वारा किया गया।
7. सोनपुर मेला में **हरिहर क्षेत्र महोत्सव** (29 नवम्बर से 1 दिसम्बर, 2013) का आयोजन किया गया।

   सोनपुर मेला में **12 दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम** (17–09 दिसम्बर, 2013) का आयोजन किया गया।
8. **मुजफ्फर अली कृत जहान–ए–खुसरो (दिनांक–21 नवम्बर, 2013) कार्यक्रम का आयोजन किया गया।**

9. **भारतीय कविता समारोह** (दिनांक–20 से 22 दिसम्बर, 2013) का आयोजन विभाग के द्वारा किया गया। जिसमें **राष्ट्रीय स्तर** के कवियों का काव्य पाठ हुआ।
10. **सूफी सूत्रः अंतर्राष्ट्रीय सूफी व लोक संगीत महोत्सव (दि0 7 से 9 फरवरी, 2014) का आयोजन किया गया, जिसमें डेनमार्क, ईरान, पुर्तगाल, स्वीडेन, स्पेन, बांग्लादेश से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों ने भाग लिया।**
11. **द्वितीय पटना लिटरेचर फेस्टीवल दिनांक–14 से 16 फरवरी, 2014 तक** आयोजित किया गया। **जिसमें ख्याति प्राप्त श्री गुलजार, श्री अशोक वाजपेयी, श्री ओम शानवी, श्री सुबोध गुप्ता, श्री शीन कॉफ नीजाम, श्री सहैद नकवी, आदि प्रमुख हस्तीयों ने भाग लिया।**
12. **बिहार महोत्सव, गुवाहाटी (असम) का आयोजन दिनांक–1 से 3 मार्च, 2014 तक किया गया।** इसके पूर्व भी **इलाहाबाद** एवं **जयपुर** में **बिहार महोत्सव** का आयोजन किया गया। बिहार महोत्सव का आयोजन अन्य प्रदेशों में करने का मुख्य उद्देश्य बिहार की गौरवशाली सांस्कृतिक धरोहरों के संबंध में लोगों को जानकारी देने के साथ–साथ सांस्कृतिक क्षेत्र में आपसी समझ एवं समन्वय को बढ़ावा देना है। **बिहार महोत्सव** इसी माह में **25, 26 एवं 27 अप्रैल को दिल्ली में** प्रस्तावित है।
13. लोक कला को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से **100 लोक कलाकारों की कार्यशाला** का आयोजन (दिनांक– 21 से 25 मार्च, 2014) किया गया, जिसमें बिहार के प्रमुख लोक कलाओं यथाः– **मिथिला, मंजूषा, टिकुलीकला, सिक्कीकला, टेराकोटा, पेपरमेशी, एवं भोजपुरी लोक कला** के कलाकार शामिल हुए। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य बिहार की लोक कलाओं एवं कलाकारों को प्रोत्साहित करना एवं आपसी आदान–प्रदान के साथ–साथ अपने लोक कला को और समृद्ध करना है।
14. **राष्ट्रीय कला शिविर** (दि0 27 से 31 मार्च, 2014) का आयोजन विभाग के द्वारा किया गया जिसमें राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों ने भाग लिया।

इसके अतिरिक्त कार्यशाला के दौरान कला समीक्षा हेतु क्रमशः **श्री अनिरूद्ध, कोलकाता, श्री अवधेश कुमार, लखनऊ एवं डॉ0 राजेश कुमार ब्यास, जयपुर कला समीक्षक** ने भी अपने विचार रखे।

15. **संगीत बिहान** नाम से **राजधानी वाटिका** में प्रातः संगीत कार्यक्रम का शुभआरंभ हुआ। राजधानी वाटिका में संगीत की श्रृंखला में यह एक अच्छी शुरूआत मानी गयी।

16. **कला मंगल श्रृंखला** में प्रत्येक माह के द्वितीय मंगलवार को एक सप्ताह के लिए राज्य के कलाकारों के कृतियों की प्रदर्शनी करायी जाती है।
17. विभाग के चाक्षुष एवं प्रदर्शकला, खेल, संग्रहालय और पुरातत्व की सभी गतिविधियों को परिलक्षित करनेवाले मासिक बुलेटिन, **पटना कलम** का प्रकाशन कराया जा रहा है।
18. **प्रेमचंद रंगशाला के लोकार्पण के एक वर्ष** पूरा होने के अवसर पर 13 जनवरी, 2013 को एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
19. **भारतीय सांस्कृतिक संबद्ध परिषद (ICCR)** के Horizon Series Programme के तहत कला संस्कृति विभाग ICCR को आवश्यक सुविधाएं मुहैया करा रहा है।

**संस्थागत विकास**

1. **राजगीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर**

   **राजगीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, राजगीर** का लोकार्पण किया गया।

2. **कला दीर्घा, कन्सर्ट हॉल**

   भारतीय नृत्य कला मंदिर, पटना के परिसर में अवस्थित बहुद्देशीय सांस्कृतिक परिसर के साज–सज्जा के बाद इसके **कला दीर्घा,** 100 सीट के **कन्सर्ट हॉल** और पूरी तरह कम्प्यूटर सुविधाओं के सुसज्जित **पुस्तकालय–सह–सांस्कृतिक** केन्द्र को लोकार्पित किया गया।
3. **मिथिला चित्रकला संस्थान** की स्थापना के लिए कार्रवाई की जा रही है।
4. पूर्णिया जिला में अवस्थित कला भवन के **सुधांशु रंगशाला** के जिर्णोद्धार हेतु 1,18,30,700/– की प्रशानिक स्वीकृति दी गई है।
5. पटना प्रमंडल अंतर्गत बक्सर जिला में **कला भवन** के निर्माण हेतु 1,18,37,000/– की प्रशानिक स्वीकृति देते हुए वर्त्तमान वित्तीय वर्ष से जिर्णोद्धार कार्य प्रारम्भ।

**बिहार कला पुरस्कार–**

चाक्षुष कला एवं प्रदर्श कला के लिए दिए जाते है। इसमें विभिन्न विधाओं के दस वरिष्ठ एवं दस युवा कलाकारों को पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं। इसके अतिरिक्त **दो राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार** और एक राज्य स्तर पर **जीवन पर्यन्त सेवाओं के** लिए पुरस्कार प्रदान की जाती है।

**कलाकार कल्याण कोष**

विभाग में पूर्व से चल रही योजना **कलाकार कल्याण कोष** को कलाकारों के हित में इस वर्ष विस्तारित किया गया। पहले केवल **चिकित्सा मद** में यह सहायता दी जाती थी। किन्तु इस वर्ष से यह कलाकरों, विद्वानों, कला इतिहासकारों को प्रदर्शन, व्याख्यान और सेमिनार में आमंत्रण मिलने पर **देश–विदेश में भाग लेने** तथा **कला में उच्च शिक्षा और शोध के लिए** भी दिये जा रहे हैं।

**कला मंगल** :–

राज्य के चाक्षुष कलाकारों को अपनी कृतियों की प्रदर्शनी करने हेतु (**एक लाख रूपये की सहायता)** कला मंगल योजना के तहत एकल, समूह और सिंहावलोकन प्रदर्शनी सहित वर्ष में 08 प्रदर्शनियाँ हो रही हैं तथा 04 व्याख्यानमाला आयोजित किये जा रहे हैं। इस योजना से राज्य के कलाकारों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने तथा वरिष्ठ कलाकारों की प्रदर्शनियों से युवा पीढ़ी को बहुत कुछ सीखने समझने के अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

**कला के प्रोत्साहन हेतु कला संस्थाओं को सहायता** :–

स्वैच्छिक संस्थाओं को कला संस्कृति के संरक्षण, सम्वर्द्धन एवं विकास हेतु **वित्तीय अनुदान** उपलब्ध कराने की योजना में संशोधन करते हुए नियमावली आदि का गठन किया गया है। इससे स्वैच्छिक संस्थाओं को प्रतिवर्ष अनुदान स्वीकृत हो रहा है। वित्तीय वर्ष–2013–14 में 38 संस्थाओं को अनुदान प्रदान किया गया। इसके तहत अब 5 लाख रूपये तक की वित्तीय सहायता विभाग संस्थाओं को दे सकता है।

———————